भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 मनाया

जागरूकता संबंधी पहलों और विशेषज्ञ व्याख्यान के माध्यम से 'समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा' का संदेश प्रसारित किया गया।

भुवनेश्वर, 30 अक्टूबर 2026: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर द्वारा 26 अक्टूबर 2026 से सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है, जिसका समापन 1 नवंबर 2026 को होगा। यह आयोजन पारदर्शिता, नैतिक आचरण तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध व्यापक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान के अनुरूप आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष के आयोजन की थीम "समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा" (Probity for Prosperity) है।

इस आयोजन का शुभारंभ संस्थान के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ लेने के साथ हुआ। इस अवसर पर उन्होंने सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, जवाबदेही एवं सत्यनिष्ठा के मूल्यों को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस आयोजन के अंतर्गत, 26 अक्टूबर 2026 को संस्थान के संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों के लिए उप कुलसचिव (स्थापना) श्री संतोष कुमार साहू द्वारा आचरण नियमावली, हितों के टकराव तथा निवारक सतर्कता विषय पर एक जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया।

सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम के अंतर्गत, उड़ीसा उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति श्री शशिकांत मिश्रा द्वारा "समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा" विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया। अपने व्याख्यान में उन्होंने कहा, "सत्यनिष्ठा केवल एक कानूनी दायित्व नहीं है, बल्कि मूलतः एक नैतिक जिम्मेदारी है, जिसकी जड़ें भारत के सभ्यतागत एवं सांस्कृतिक मूल्यों में निहित हैं।" उन्होंने स्पष्ट किया कि वास्तविक समृद्धि केवल भौतिक संपन्नता से ही नहीं, बल्कि शांति, प्रसन्नता एवं आपसी सौहार्द जैसे मूल्यों से युक्त जीवन की गुणवत्ता से भी परिलक्षित होती है। इसके लिए व्यक्ति के प्रत्येक कार्य में सत्यनिष्ठा, प्रतिबद्धता एवं सदाचार का समावेश आवश्यक है। उन्होंने सार्वजनिक सेवाओं के निर्वहन के दौरान अनियमितताओं एवं गलत कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों के लिए कानून में निर्धारित दंडात्मक प्रावधानों पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि जनविश्वास की रक्षा करने, संस्थागत विश्वसनीयता को सुदृढ़ बनाने तथा राष्ट्र की सतत समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

इस अवसर पर अपने संबोधन में आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपद कर्मलकर ने कहा कि "स्वतंत्रता और पारदर्शिता की कीमत निरंतर सतर्कता है।" उन्होंने कहा कि नियमों एवं विनियमों के पालन के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता सत्यनिष्ठा की एक स्थायी संस्कृति को बढ़ावा देती है। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 1961 में अपनी शुरुआत के बाद से जेईई (एडवांस्ड) परीक्षा में प्रश्नपत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञों की ओर से कभी भी प्रश्नपत्र लीक होने की घटना सामने नहीं आई है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रश्नपत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञ आईआईटी के संकाय सदस्य होते हैं और उनके अक्सर ऐसे सहकर्मियों के साथ घनिष्ठ व्यावसायिक संबंध होते हैं, जिनके अपने बच्चे भी इस परीक्षा में शामिल होते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सामूहिक जिम्मेदारी और नैतिक आचरण के पालन के माध्यम से सतर्कता को संस्थान की एक स्थायी परंपरा बनाया जाना चाहिए।

आईआईटी भुवनेश्वर के कुलसचिव श्री बामदेव आचार्य ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया तथा राष्ट्र के विकास में सतर्कता एवं सत्यनिष्ठा के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

पूरे सप्ताह के दौरान, संस्थान ने जागरूकता अभियानों एवं परिचर्चाओं के माध्यम से अपने समुदाय को इस आयोजन से जोड़ा। इन गतिविधियों में जवाबदेही, नैतिक निर्णय लेने तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध राष्ट्रीय लड़ाई को मजबूत बनाने में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष जोर दिया गया।